BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 3, Issue 1, January-March 2025
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

भागलपुर जिले में ग्रामीण–नगरी एवं स्त्री–पुरुष साक्षरता विभेदता का तुलनात्मक अध्ययन

कृष्ण जी, यू•जी•सी• नेट, शोधार्थी, विश्वविद्यालय भूगोल विभाग, तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, ईमेल– sharmakrishana1@gmail.com

सारांश

साक्षरता वह गुण है जो मनुष्य को वर्तमान आधुनिक युग में जीवन जीने का आधार प्रदान करता है । जिससे वह नवीन विचार योग्यता को ग्रहण कर नवीन खोज के लिए प्रोत्साहित होता है । साक्षरता मानव विकास सूचकांक का अति महत्वपूर्ण सूचक है , क्योंकि यह किसी भी जनसंख्या की सर्वोत्तम विशेषताओं में से एक है । मनुष्य अपने सामाजिक–आर्थिक सांस्कृतिक राजनीतिक आदि क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण परिवर्तन तभी कर सकता है जब वह साक्षर हो । साक्षरता की कमी किसी समाज में अथवा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण बाधा उत्पन्न करता है साक्षरता का प्रभाव से सामाजिक एवं जनांकिकीय क्षेत्र में जैसे रोजगार एवं आय के अवसर, व्यावसायिक संरचना जीवन स्तर ,धार्मिक विश्वास, वैवाहिक प्रथा, जन्म दर ,मृत्यु दर एवं प्रवासन पर बहुत अधिक प्रभाव होता है । साक्षरता कोई न्यूनतम परीक्षा पास करके प्राप्त करने वाला गुण नहीं है वह मनुष्य के किसी भाषा की सामान्य समझ तथा उसे लिख तथा पढ़ सकता हो उसे साक्षर माना जाता है। जनगणना 2011 के अनुसार भारत का साक्षरता 73% है, वहीं बिहार में 61.80% एवं भागलपुर जिले में 63.14 प्रतिशत है, भारत में साक्षरता संपूर्ण क्षेत्र में एक समान नहीं है यहां क्षेत्र विशेष स्त्री–पुरुष ग्रामीण–नगरीय और जाति आधारित भारी भिन्नता मौजूद है, जो क्षेत्र भिन्नता एवं सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक विभिन्नता का प्रतिफल है।

शब्द कुंजी : साक्षरता, नगरीय साक्षरता, ग्रामीण साक्षरता, साक्षरता विभिन्नता इत्यादि।

भूमिका

साक्षरता किसी व्यक्ति के किसी भी भाषा में पढ़ने लिखने और समझने की क्षमता है, यह मानव के विकास और समाज की उन्नति का एक महत्वपूर्ण आधार है, साक्षरता केवल अक्षरों को पहचाने या शब्द को पढ़ने लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा साधन है जिससे व्यक्ति अपने विचारों को अभिव्यक्त कर लोगो तक पहुँचा सकता है, और अपने आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझ सकता है, एक साक्षर व्यक्ति अपने अधिकारों को और कर्तव्यों को समझता है, और आसपास हो रही घटनाओं के प्रति जागरूक रहता है, एवं विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, साक्षरता केवल व्यक्ति विशेष के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के लिए आवश्यक है,।

@2025 Bihar Shodh Samaagam

भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या का बड़ा हिस्सा अब भी अशिक्षित है, ऐसे में साक्षरता दर बढ़ाने के लिए योजनाएं और कार्यक्रम चलाया जाना जरूरी हैं, सरकारी और गैर सरकारी संगठनों द्वारा बाल शिक्षा, महिला साक्षरता, व्यस्क शिक्षा आदि पर विशेष ध्यान देकर गरीबी अशिक्षा और अज्ञानता को दूर कर स्वस्थ जागरूक और विकसित समाज की नींव रखा जा सकता है।

वर्ष 2002 में संविधान में किए गए 86 वे संविधान संशोधन के जरिए शिक्षा के अधिकार को अनुच्छेद 21–ए में शामिल किया गया । जिसमें 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों को मुक्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान किए जाने को मौलिक अधिकार बनाया गया, जो 1 अप्रैल 2010 से लागू हो गया। भारत सरकार द्वारा शिक्षा में बराबरी और विकास लाने की भावना के तहत शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया गया।

अध्ययन का उद्देश्य

1 जिला के स्त्री–पुरुष साक्षरता स्तर, दसकीय वृद्धि एवं उसकी साक्षरता विविधता का अध्ययन करना ।

2 जिले में ग्रामीण– नगरीय साक्षरता स्तर एवं उनकी विविधता का अध्ययन करना

आंकड़ों के स्रोत एवं अध्ययन विधि तंत्र

भागलपुर जिले में साक्षरता स्तर एवं साक्षरता विविधता स्पष्ट करने के लिए द्वितीयक आंकड़े लिए गए हैं, जिसमें साक्षरता संबंधी आंकड़ों के लिए भारतीय जनगणना विभाग के डिस्टिक सेंसस हैंडबुक 2001 एवं 2011 से प्राप्त किए गए हैं,इन आंकड़ों के आधार पर विभिन्न प्रखंड बार साक्षरता अंकन स्त्री– पुरुष विविधता ग्रामीण – नगरीय विविधता का विश्लेषण एवं तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण और निरूपण के लिए कंप्यूटर आधारित सॉफ्टवेयर MS Word 2016,Arc GIS सहारा लिया गया हैं ।

अध्ययन क्षेत्र

भागलपुर बिहार राज्य के पूर्वी भाग में स्थित जिला है, इसके उत्तर में कटिहार जिला, दक्षिण में बांका जिला एवं पूर्व में मुंगेर प्रमंडल है । एक जिला के तौर पर इसकी स्थापना 1765 ईव में हुई वर्तमान में इसका अक्षांशीय विस्तार 25°5′ उत्तर स 25°30′ उत्तर एवं देशांतरीय विस्तार 86°30′ पूर्व से 87°32′ पूर्व के बीच है, इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 2569 वर्ग किलोमीटर है, जो बिहार के कुल क्षेत्रफल के 2.92% है , इसकी समुद्र तल से इसकी औसत ऊंचाई 52 मीटर हैं, और इसका आदर्श ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर गंगा के दक्षिणी भाग में स्थित है, यहां औसतन वार्षिक वर्षा 1231 mm होती है।

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार भागलपुर जिले की कुल जनसंख्या 3037766 है वही लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 880 महिला है, जो बिहार के जिलों का लिंगानुपात रैंकिंग में अंतिम

से दूसरे स्थान पर है यहाँ जनसंख्या की दशकीय वृद्धि 25.36% है, तथा जनसंख्या घनत्व 1182 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, यहां साक्षरता दर 63.14% है, जो बिहार के औसत साक्षरता दर से अधिक है ।

भागलपुर जिले में तीन अनुमंडल है 1-भागलपुर सदर, 2-कहलगांव, और 3-नवगछिया तथा कुल 16 प्रखंड है। भागलपुर अनुमंडल के अंतर्गत प्रखंड क्रमशः गोराडीह, जगदीशपुर, नाथनगर, सबौर, शाहकुंड एवं सुल्तानगंज प्रखंड है , तथा कहलगांव अनुमंडल के अंतर्गत प्रखंड क्रमशः कहलगांव, पिरपैंती, एवं सनहौला प्रखड है, और नवगछिया अनुमंडल के तहत प्रखंड क्रमशः बिहपुर ,गोपालपुर ,इस्माइलपुर, खरीक, नारायणपुर ,नवगछिया एवं रंगर चौक है।

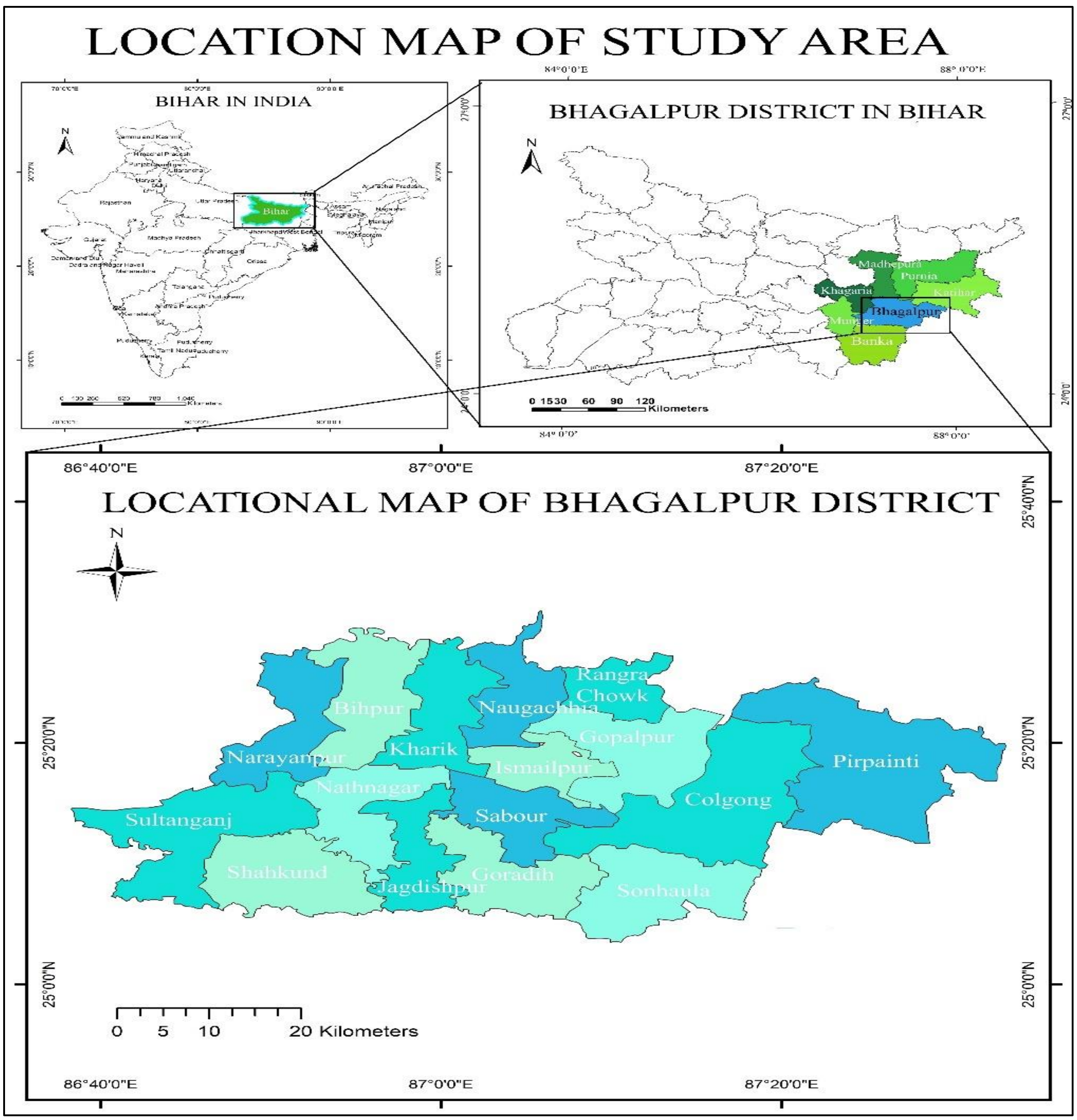

भारत, बिहार एवं भागलपुर में स्त्री पुरुष साक्षरता का वर्तमान स्वरूप

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार भारत की साक्षरता दर 73% है वहीं बिहार की साक्षरता दर 61.80% है , जो भारत में किसी राज्य के तौर पर न्यूनतम साक्षरता दर है, बिहार का केवल रोहतास जिला ही राष्ट्रीय साक्षरता दर से ऊपर है, वहीं भागलपुर जिला का साक्षरता दर 63.4% है, जो बिहार में रोहतास(73.37%) पटना(70.68) और भोजपुर(70.47) समेत 18 जिलों से कम है। इसका जिला स्तर रैंकिंग साक्षरता दर के हिसाब से ऊपर से 19वां स्थान पर है, भागलपुर का साक्षरता दर बिहार के साक्षरता दर से 1.34% अधिक है और भारत के साक्षरता दर से 9.86% काम है भारत बिहार एवं मुंगेर की पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 80.90% ,71.20 % एवं 70. 3% है जो कि भारत के पुरुष साक्षरता दर से 10.5% कम तथा बिहार के साक्षरता दर से 0.9% कम भागलपुर का पुरुष साक्षरता है । पुरुष साक्षरता की तुलना में महिला साक्षरता में भिन्नता कहीं ज्यादा है, भारत की स्त्री साक्षरता दर 65.4% है जो भागलपुर का महिला साक्षरता दर 10.25% काम 54.89% है, तथा बिहार के महिला साक्षरता से 3.89% अधिक है। भागलपुर की महिला– पुरुष साक्षरता अंतराल 15.41% है जो कि भारत के स्त्री पुरुष साक्षरता अंतराल से 1.59 % कम तथा बिहार के स्त्री पुरुष साक्षरता अंतराल से 4.39% कम है जो एक अच्छा सूचक है कि यहां स्त्री साक्षरता का तेजी से वृद्धि हो रहा है।

तालिका 1

भागलपुर जिला में प्रखंडवार स्त्री –पुरूष साक्षरता वितरण प्रतिशत में, 2001 &2011

क्र. सं.	प्रखंड का नाम	2001			2011		
		कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री
1.	नारायणपुर	44.3	55.2	31.6	59.96	68.43	50.03
2.	बिहपुर	48	57.4	36.9	60.26	67.19	52.21
3.	खरीक	41.5	52	29.2	58.16	66.14	48.92
4.	नवगछिया	47.1	56.4	36.1	63.48	70.82	55.03
5.	रंगर चौक	43.1	53.8	30.3	55.66	63.77	46.14
6.	गोपालपुर	46.4	57.2	33.8	64.42	72.19	55.39

7.	पिरपैती	41.5	51.4	29.8	56.67	64.41	47.62
8.	कहलगांव	47	57.1	35.2	59.97	67.59	51.08
9.	इस्माइलपुर	34.9	46.3	21.2	50.52	59.09	40.46
10.	सबौर	50.8	61.8	37.5	69.21	76.1	61.27
11.	नाथनगर	44.4	54.7	32.5	61.39	68.82	52.86
12.	सुल्तानगंज	53.9	64.2	42	66.96	74.36	58.54
13.	शाहकुंड	46	56.5	34.1	62.67	70.5	53.68
14.	गोरडीह	38.7	49.7	25.7	56.42	64.24	47.4
15.	जगदीशपुर	66	72.9	57.9	73.94	78.7	6853
16.	सनहोला	39.8.	52	26.2	54.9	64.34	44.3

जिला	49.5	59.2	38.1	63.4	70.3	54.89
बिहार	47	59.68	33.12	61.8	71.20	51.50
भारत	65.38	59.2	54.16	74.04	82.14	65.14

Sources- District hand book b Bhagalpur 2001&,2011

भागलपुर जिला में प्रखंड वार स्त्री– पुरुष साक्षरता

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार भागलपुर की साक्षरता दर के अध्ययन उपरांत पाते हैं कि इसे उच्च मध्यम एवं निम्न साक्षरता वाले प्रखंड में बांट सकते हैं, बांटने के उपरांत हम पाते हैं कि जगदीशपुर (73.94%), सबौर (69.21%) एवं सुल्तानगंज (66.96%) उच्च साक्षरता वाले प्रखंड है, वहीं नारायणपुर (59.96%), खरीक (58.16%), रंगर चौक (55.66%), पिरपैंती (56.67%) कहलगांव (59.97%) इस्माइलपुर (50.52%) गोरडीह (56.42%) एवं सनहोला (54.9%) प्रखंड निम्न साक्षरता दर वाले प्रखंड है और शेष को मध्य साक्षरता वाले प्रखंड में रखा जा सकता है, अर्थात जगदीशपुर का साक्षरता दर 73.94 प्रतिशत है जो सर्वाधिक साक्षरता दर वाला प्रखंड है वही इस्माइलपुर का साक्षरता दर 50.52 प्रतिशत न्यूनतम साक्षरता दर वाला प्रखंड है, सर्वाधिक स्त्री एवं पुरुष साक्षरता दर भी जगदीशपुर प्रखंड में है, तथा न्यूनतम स्त्री एवं पुरुष साक्षरता दर इस्माइलपुर प्रखंड

में है एवं सर्वाधिक स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतर सनहोला (25.9%) प्रखंड में है, वहीं न्यूनतम स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतर जगदीशपुर (15%) प्रखंड में है, जो की एक अच्छा सूचक है जगदीशपुर प्रखंड का अधिकांश हिस्सा भागलपुर नगर निगम में आता है शेष भी जिला मुख्यालय से अधिक नजदीकी होने के कारण शिक्षा उन्नति के अधिक अवसर जगदीशपुर के लोगों को प्राप्त हुए हैं जिस कारण से जगदीशपुर प्रखंड में साक्षरता का स्तर अधिक अच्छा है तथा स्त्री – पुरुष साक्षरता अंतराल भी काम है। इस्माइलपुर प्रखंड जिला मुख्यालय के नजदीक होने के बावजूद भी साक्षरता दर न्यूनतम है, ऐसा इसलिए है कि इस क्षेत्र में शुरू से ही औद्योगिक आर्थिक एवं सामाजिक पिछड़ेपन का शिकार रहा है, यहाँ उच्च शिक्षा के लिए कोई विशेष संस्थान नहीं है ना ही कोई औद्योगिक संस्थान है परिवहन जल एवं बिजली आदि मूलभूत संरचना की कमी इसके शैक्षणिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण है।

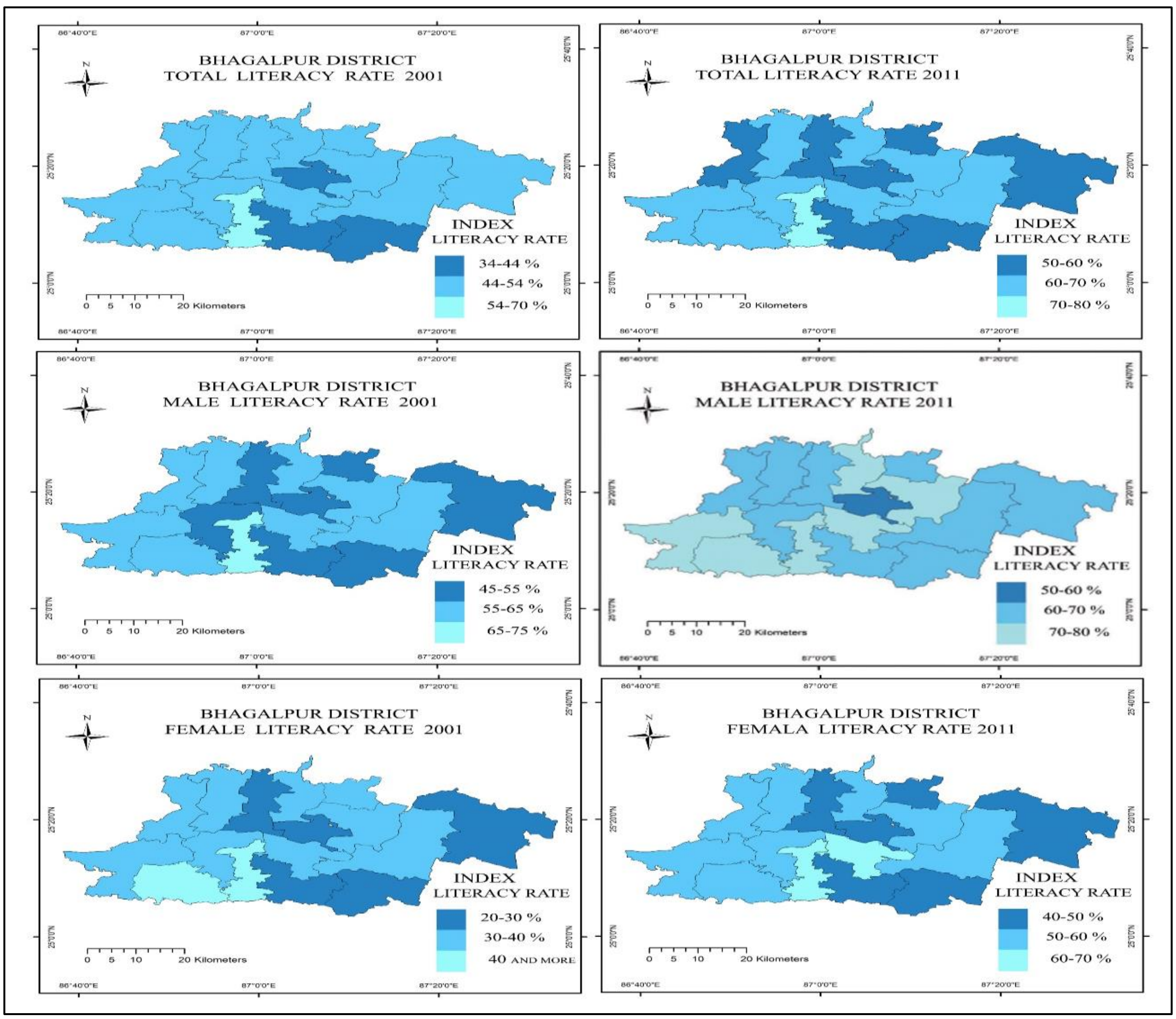

चित्र संख्या 1

स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल भारत बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 16.3%, 19.70% एवं 15.41% है , यह अंतराल भागलपुर में भारत और बिहार दोनों से कम है, जो एक अच्छा सूचक है, जिले में सर्वाधिक स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल सनहोला (20.04%) एवं न्यूनतम स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल जगदीशपुर (10.17%) में है।

वर्ष 2001 से 2011 के दौरान स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल में कम होने के दर मे सर्वाधिक कमी सबौर (9.47%) में हुई । एवं न्यूनतम कमी जगदीशपुर (4.83) में हुई। जगदीशपुर न्यूनतम कमी होने का स्वभाव है, क्योंकि वहां पहले से साक्षरता दर अच्छा था और स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल भी कम है ऐसे में ज्यादा कमी ना आना स्वभाविक हो जाता है, वही सबौर में शैक्षणिक वातावरण अधिक सुदृढ़ होने से एवं अधिक औद्योगिक एवं शैक्षणिक संस्थानो के क्रियान्वयन से स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल में व्यापक कमी आया है।

निम्न महिला साक्षरता का कारण भागलपुर कुल साक्षरता दर का कम होने भी है, लड़कों की तुलना में लड़कियों को पराया धन समझना समाजिक रुढ़िवादी, पुरुष प्रधान समाज, स्त्री योग्य व्यवसायो की कमी, सामाजिक एवं पारिवारिक परंपराये, रीति–रिवाज, निर्धनता, निम्न जीवन स्तर, बालिका शिक्षा संस्थानों का अभाव, बालिकाओं की गतिशीलता पर रोक आदि समाजिक व्यवस्थाएं उतरदायित्व है ।

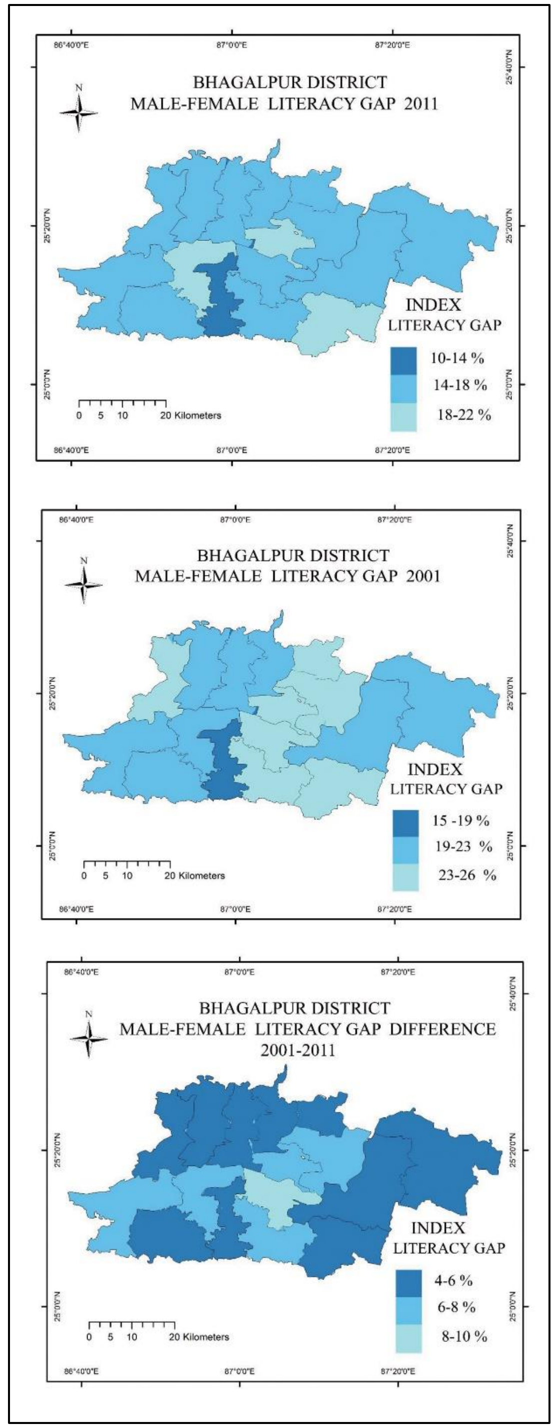

चित्र संख्या 2

वर्तमान में स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतर घट रहा है, क्योंकि लड़कियों की शादी के लिए अब उनका पढ़ा–लिखा होना जरुरी हो जाता है इसलिए अब समाज में महिला शिक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ रही है।

तालिका 2

भागलपुर जिला में प्रखंडवार स्त्री –पुरुष साक्षरता अंतर प्रतिशत में, 2001 & 2011

क्र. सं.	प्रखंड का नाम	2001	2011	2001-2011
		स्त्री-पुरूष साक्षरता अंतर	स्त्री-पुरुष साक्षरता अंतर	स्त्री-पुरुष साक्षरता अंतर में कमी
1.	नारायणपुर	23.6	18.4	5.2
2.	बिहपुर	20.5	14.98	5.52
3.	खरीक	22.8	17.22	5.58
4.	नवगछिया	20.3	15.79	4.51
5.	रंगर चौक	23.5	17.63	5.87
6.	गोपालपुर	23.3	16.8	6.5
7.	पिरपैती	21.6.	16.79	4.81
8.	कहलगांव	22	16.5	5.5
9.	इस्माइलपुर	25.1	18.63	6.47
10.	सबौर	24.3	14.83	9.47
11.	नाथनगर	22.2	15.96	6.24
12.	सुल्तानगंज	22.2	15.82	6.38
13.	शाहकुंड	22.4	16.82	5.58
14.	गोरडीह	24	16.84	7.16
15.	जगदीशपुर	15	10.17	4.83
16.	सनहोला	25.9	20.04	5.86

जिला	21.1	15.41	5.69
बिहार	26.5	19.7	6.86
भारत	21.69	16.3	4.69

Sources- District hand book Bhagalpur 2001,2011

भारत, बिहार एवं भागलपुर में स्त्री– पुरुष साक्षरता वृद्धि 2001– 2011

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार भारत, बिहार एवं भागलपुर की साक्षरता दर में वृद्धि दर क्रमशः 8.66%, 14.80% एवं 13.64% रही है, वही साक्षर जनसंख्या में वृद्धि दर भारत, बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 36.15%, 68.77% एवं 44.64% रही है, अर्थात भागलपुर में साक्षरता दर एवं साक्षार जनसंख्या दोनों में बिहार से कम एवं भारत से अधिक वृद्धि रही है। जबकि संपूर्ण भारत में सर्वाधिक साक्षार जनसंख्या वृद्धि दर बिहार (68.77%) मे रही है। पुरुष साक्षरता दर में वृद्धि दर भारत, बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 6.29%, 11.52% एवं 11.1% रही है, वही स्त्री साक्षरता दर में वृद्धि भारत, बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 10.98%, 18.38% एवं 16.79% रही है, अर्थात स्त्री एवं पुरुष दोंनो के साक्षरता दर में वृद्धि की प्रवृत्ति भारत से अधिक लेकिन बिहार से कम भागलपुर जिले में रही है।

तालिका 3

भागलपुर जिला में प्रखंडवार साक्षरता वृद्धि दर प्रतिशत में, 2001& 2011

क्र. सं.	प्रखंड का नाम	कुल	महिला	पुरुष
1.	नारायणपुर	15.66	18.43	13.23
2.	बिहपुर	12.26	15.31	9.79
3.	खरीक	16.66	19.72	14.14
4.	नवगछिया	16.38	18.93	14.42
5.	रंगर चौक	12.56	15.84	9.97
6.	गोपालपुर	18.02	21.59	14.99

7.	पिरपैती	15.17	17.82	13.01
8.	कहलगांव	12.97	15.88	10.49
9.	इस्माइलपुर	15.62	19.26	12.79
10.	सबौर	18.41	23.77	14.3
11.	नाथनगर	16.99	20.36	14.12
12.	सुल्तानगंज	13.06	16.54	1016
13.	शाहकुंड	16.67	19.58	14
14.	गोरडीह	17.72	21.7	14.54
15.	जगदीशपुर	7.94	10.63	5.8
16.	सनहोला	15.1	18.1	12.34
	जिला	13.64	16.79	11.1
	बिहार	14.8	18.38	11.52
	भारत	8.66	10.98	6.29

Sources- District hand book Bhagalpur 2001,2011

भागलपुर जिले में स्त्री–पुरुष साक्षरता वृद्धि 2001–2011

वर्ष 2001–2011 के दौरान भागलपुर जिले में सर्वाधिक साक्षरता वृद्धि सबौर(18.41%) प्रखंड में एवं सबसे कम जगदीशपुर (7.94%) प्रखंड में रही है इस तरह समस्त प्रखंड को उच्च माध्यमिक एवं निम्न साक्षरता वृद्धि वाले प्रखंड में बांटने पर हम पाते हैं कि उच्च साक्षरता वृद्धि वाले प्रखंड क्रमशः खरीक (16.66%), नवगछिया (16.38%), गोपालपुर (18.02%), सबौर(18.41%), शाहकुंड (16.67%), गोराडीह (17.72%), निम्न साक्षरता वृद्धि वाले प्रखंड के जगदीशपुर (7.94) है, शेष मध्यम साक्षरता वृद्धि वाले प्रखंड है आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जिस प्रखंड में उच्च साक्षरता दर है वहां न्यूनतम साक्षरता वृद्धि हुई है और जिस प्रखंड में साक्षरता दर निम्न है वहां उच्च साक्षरता वृद्धि हुई है।

पुरुष साक्षरता वृद्धि के दृष्टिकोण से जगदीशपुर (5.8%) प्रखंड में न्यूनतम साक्षरता वृद्धि दर्ज की गई है, वही सर्वाधिक साक्षरता वृद्धि दर गोपालपुर (14.99%) प्रखंड में है, तथा महिला साक्षरता वृद्धि के दृष्टिकोण से न्यूनतम वृद्धि जगदीशपुर (10.63%) प्रखंड में एवं सर्वाधिक साक्षरता वृद्धि दर सबौर (23.77%) प्रखंड में दर्ज की गई है, उपयुक्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पुरुष के तुलना में महिला साक्षरता वृद्धि दर अधिक है, साथ ही निम्न साक्षात दर उच्च साक्षरता वृद्धि को प्रोत्साहन का कार्य करती है।

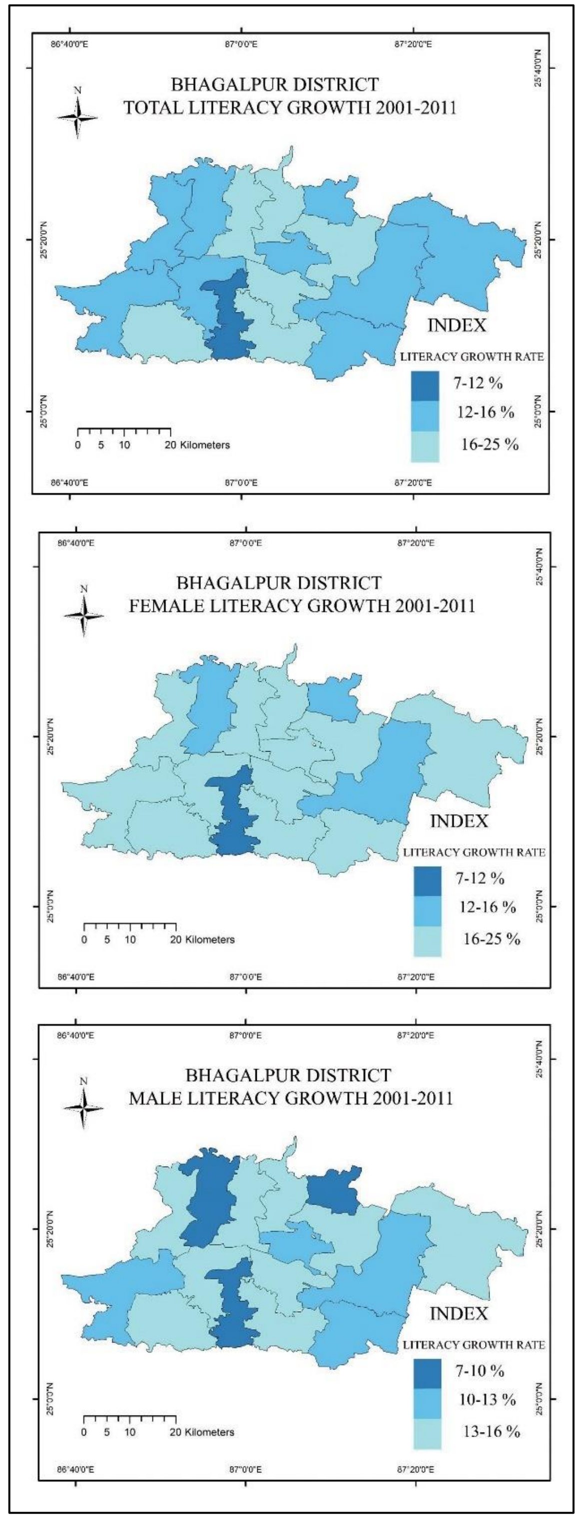

चित्र संख्या 3

ग्रामीण – नगरीय साक्षरता

@2025 Bihar Shodh Samaagam

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामीण साक्षरता भारत, बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 67.77%, 59.78% एवं 59.84% है, वही नगरीय साक्षरता भारत, बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 84.11%, 76.86% एवं 75.87% है, इसी तरह ग्रामीण – नगरीय साक्षरता अंतराल भारत, बिहार एवं भागलपुर में क्रमशः 16.34%, 17.08% एवं 16.03% है, भागलपुर जिला में ग्रामीण नगरीय साक्षरता अंतराल भारत एवं बिहार दोनों से कम है।

तालिका 4

भागलपुर जिला में प्रखंडवार ग्रामीण-नगरीय साक्षरता प्रतिशत में, 2001 & 2011

क्र. सं.	प्रखंड का नाम	2001			2011		
		ग्रामीण	नगरीय	अंतराल	ग्रामीण	नगरीय	अंतराल
1.	नारायणपुर	44.3			59.96		
2.	बिहपुर	48			60.26		
3.	खरीक	41.5			58.16		
4.	नवगछिया	42.3	57.6	15.3	61.59	64.49	2.9
5.	रंगर चौक	43.1			55.66		
6.	गोपालपुर	46.4			64.42		
7.	पिरपैती	41.5			56.67		
8.	कहलगांव	45.3	67.5	12.2	58.16	64.14	5.98
9.	इस्माइलपुर	34.9			50.52		
10.	सबौर	50.8			67.69	84.45	16.76
11.	नाथनगर	44.4			60.77	76.91	16.14
12.	सुल्तानगंज	51.7	61.9	10.2	65.86	70.95	5.09
13.	शाहकुंड	46			62.67		
14.	गोरडीह	38.7			56.42		

15.	जगदीशपुर	43.8			62.25		
16.	सनहोला	39.8			54.9		
	जिला	44.4	70.7	26.3	59.84	75.87	16.03
	बिहार	43.92	71.93	28.01	59.78	76.86	17.08
	भारत	58.74	79.92	21.18	67.77	84.11	16.34

Sources- District hand book Bhagalpur 2001,2011

भागलपुर जिले में ग्रामीण साक्षरता

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामीण साक्षरता सर्वाधिक सबौर (67.69%) प्रखंड में है, वह न्यूनतम ग्रामीण साक्षरता इस्माइलपुर (50.52%) प्रखंड में है, जो भारत, बिहार एवं भागलपुर तीनों के औसत से कम है, वही सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता वृद्धि दर वाला प्रखंड जगदीशपुर है, जगदीशपुर का ग्रामीण साक्षरता भारत के ग्रामीण साक्षरता से कम लेकिन बिहार और भागलपुर से अधिक है ।

इस जिले में ग्रामीण साक्षरता दर कम होने का प्रमुख कारण सामूहिक निर्धनता, निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर, शैक्षणिक संस्थाओं की कमी, ग्रामीणों का व्यवसाय तक सीमित पहुंच इत्यादि है।

भागलपुर जिला में नगरी साक्षरता

भारत की जनगणना 2001 में भागलपुर जिला के 16 प्रखंड में केवल 6 नगरीय क्षेत्र (नवगछिया, कहलगांव, सुल्तानगंज, भागलपुर नगर निगम, हबीबपुर) था, जबकि इसके बाद की जनगणना 2011 में कुल 10 नये नगरीय क्षेत्र हो गये, इसमें सबौर, नूरपुर, पुरैनी एवं साहिबगंज नए नगरीय क्षेत्र शामिल किया गए हैं, जो कि नगरीय जनसंख्या में वृद्धि को दर्शाता है।

जनगणना 2011 के अनुसार सबौर (CT) सर्वाधिक साक्षरता दर 84.5% दर्ज की गई जबकि पुरैनी (CT) में सबसे कम 52.41% दर्ज की गई है हबीबपुर (CT) में 6.12% के साथ सबसे कम स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतर दर्ज किया गया । वहीं ग्रामीण – नगरीय न्यूनतम साक्षरता अंतराल नवगछिया में 2.5% एवं अधिकतम सबौर में 16.76 प्रतिशत है । ग्रामों की तुलना में नगरों में साक्षरता दर अधिक है जिसका प्रमुख कारण नगरीय क्षेत्रों में शिक्षण संस्थाओं का संकेंद्रण नगरों की अप्राथमिक कार्य संरचना, सामाजिक स्तर का ऊंचा होना एवं शिक्षा के प्रति अधिक झुकाव नगरीय क्षेत्रों में उच्च साक्षरता के लिए प्रभावी कारक है।

निष्कर्ष

भागलपुर जिले में स्त्री – पुरुष साक्षरता दर में अंतर स्पष्ट है की महिला साक्षरता की तुलना में पुरुष साक्षरता दर अधिक होता है, लेकिन इसमें समय के साथ सुधार हो रहा है, वहीं ग्रामीण – नगरीय साक्षरता के तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर नागरिकय क्षेत्र की तुलना में कम होती है , लेकिन साक्षरता वृद्धि दर अधिक होती है।इसका मुख्य कारण आर्थिक शैक्षणिक और सामाजिक सुविधाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में काम उपलब्ध होना है, नगरीय क्षेत्रों में स्कूल कॉलेज पुस्तकालय और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं की बेहतर उपलब्धता के कारण साक्षरता दर अधिक होता है।

साक्षरता में वृद्धि से समाज में जागरूकता आर्थिक विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होता है खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की साक्षरता में वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव उनके परिवार और समुदाय पर व्यापक पड़ता है ।

सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के प्रयासों से साक्षरता में सुधार हो रहा है, महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के चलते महिलाओं की साक्षरता दर में वृद्धि एवं स्त्री– पुरुष साक्षरता अंतराल में कमी आ रहा है साथ ही ग्रामीण– नगरीय साक्षरता अंतराल में भी कमी आई है।

@2025 Bihar Shodh Samaagam

संदर्भ

- चान्दना,आर0सी01999 , *जनसंख्या भूगोल*, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृ0–247
- राम, शम्भू, 2010, जनपद अम्बेडकर नगर में साक्षरता एक भौगोलिक अध्ययन, *सरयूपार समाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्*, बस्ती, टवस 19 छवण्1 क्मबमउइमत 2010ए चण्62ण
- सोनकर, शशिकान्त तथा चतुर्वेदी, राम कुमार, 2010, जनपद प्रतापगढ के नगरों में साक्षरता की प्रवृत्तिया एक भौगोलिक अध्ययन, *उत्तर भारत भूगोल पत्रिका*, गोरखपुर, टवस 40 छवण्3ऐैमच 2010एचण्221
- मौर्य, एस0 डी0 2005, *जनसंख्या भूगोल*, शारदा पुस्तक भवन पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, इलाहाबाद पृ0 359–366
- सिंह, अनिता, 1990, *उत्तर प्रदेश में शैक्षणिक विकास : एक भौगोलिक अध्ययन*, पी–एच0 डी0 शोध प्रबन्ध भूगोल विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, पृ0 11–15
- Yadav, S., 2011, Literacy in Uttar Pradesh: Current Scenario and changes during the last de-cade, *Indian Journal of Regional Science*, Vol.43, No.2, p. 74-80.
- Gosal, G.S., 1964, *Literacy in India: An Interpretative Study*, *Rural Sociology*, vol. 29, p. 261-277
- *Census of India*, 2001 & 2011, Bihar, vol. I.
- District Census Handbook Bhagalpur (2001 & 2011)
- Chandana, R. C. and Shindhu M. S., 1980, *Introduction to population*, Kalyani Publishers, New Delhi.
- Siddiqui, M., 1977, The Geography of literacy in Uttar Pradesh, *Geographical Review of India*,Vol.39, No. 4, p. 373-388.
- India, 2013, Ministry of *Information and Broadcasting*, Government of India.